**प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 177 से 199 व 201. 208 मोटर यान अधिनियम, 1988**

**(दोषी होने का अभिवचन करने हेतु अभियुक्त का प्रार्थना पत्र)**

न्यायालय श्रीमान ............ (मजिस्ट्रेट न्यायालय का विवरण) ............. (स्थान का नाम)

दाण्डिक वाद सं०/चालान सं० ............ सन् ..........

राज्य बनाम ............ (अभियुक्त का नाम)

धारा ............ मोटर यान अधिनियम, 1988

थाना ............

जनपद……….

महोदय,

प्रार्थी अभियुक्त ............ पुत्र श्री ............ निवासी ............ थाना ............ जनपद……सविनय निवेदन करता है;

1. यह कि प्रार्थी अभियुक्त पर धारा………….. मोटर यान अधिनियम, 1988 के अपराध का आरोप है और माननीय न्यायालय से धारा 208 (1) मोटर यान अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत अभियुक्त को समन प्राप्त हुआ है । अपराध मात्र अर्थदण्ड, अथवा कारावास या अर्थदण्ड से दण्डनीय है;
2. यह कि प्रार्थी अभियुक्त समन में वर्णित अपराध को वर्णित शर्तों के अनुसार दोषी होने का अभिवचन करता है और अपराध स्वीकार करते हुए, कूपन पर अंकित करते हुए वर्णित धन का धनादेश भेज रहा है और चालक अनुज्ञापत्र भेज रहा है।

**अथवा**

यह कि प्रार्थी अभियुक्त समन में वर्णित अपराध को वर्णित शर्तों के अनुसार दोषी होने का अभिवचन करने हेतु अधिवक्ता को न्यायालय में उपस्थित होकर अपराध स्वीकार करने तथा अर्थदण्ड न्यायालय में जमा करने हेतु अधिकृत करता हैं।

अत: प्रार्थना है कि प्रार्थी अभियुक्त का दोषी होने का अभिवचन स्वीकार करके और वांछित धनराशि जमा कराकर उक्त प्रकरण का निस्तारण करने की कृपा करें।

**दिनांक………….**

**प्रार्थी अभियुक्त**

**नाम व पता**

**द्वारा अधिवक्ता**

**हस्ताक्षर**

**शनाख्त ............अधिवक्ता**